

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार
शीर्षक	प्रेम ही जीवन
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	आठ
कौशल	लेखन, अवबोधन, बौद्धिक जागरूकता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1. शैक्षिक अधिगम:

- * विद्यार्थियों में लेखन कौशल और बौद्धिक जागरूकता विकसित हो सकेगी।
- * विद्यार्थियों में स्मरणशक्ति, संवेदना और कल्पनात्मकता में विकास हो सकेगा।

2. अध्यापिका गतिविधि :

- * अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को आठ-आठ के समूह में विभक्त किया जाएगा।
- * प्रत्येक वर्ग को पाठ पढ़ने का निर्देश दिया जाएगा।
- * सभी विद्यार्थी अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर पठित पाठों की घटनाओं से अभिव्यक्त रिश्तों के बदलाव को अनुभव करेंगे।
- * अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।
- * तत्पश्चात् इस अनुभव को तालिका के रूप में तैयार करेंगे। संकेतबिंदु:-

संख्या	पहले पात्र का नाम	दूसरे पात्र का नाम	पहले रिश्ते का स्वरूप मधुर / कटु	बाद में रिश्ते का स्वरूप मधुर/कटु	बदलाव का कारण
1	द्रोणाचार्य	द्रुपद	मधुर	कटु	द्रुपद का अहंकार

- * विद्यार्थी कम से कम दस-दस पात्र-युग्मों के नाम तालिका में लिखेंगे।
- * अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर लिखित प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- * सभी विद्यार्थी चयनित विषय पर अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर तालिका तैयार करेंगे।
- * सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे।
- * अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु तालिका अध्यापिका को देंगे।

4. मूल्यांकन के मानदंड:-

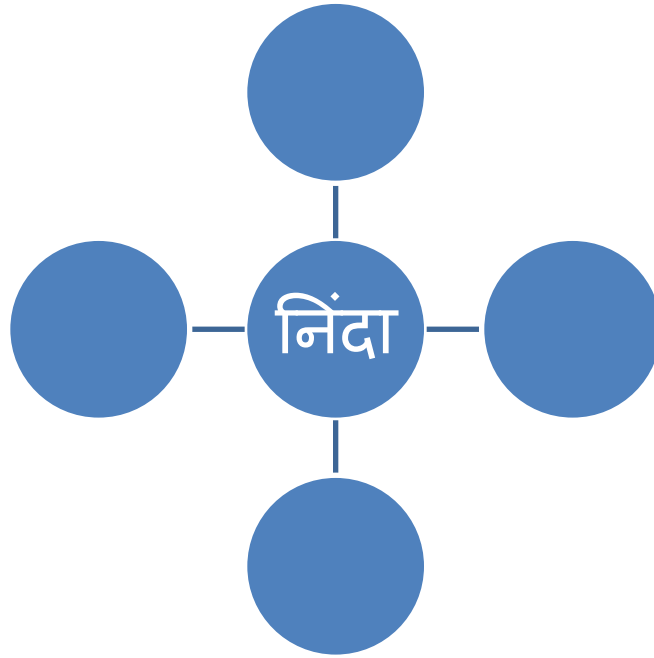
क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : प्रेम ही जीवन
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1.प्रेम संबंधों को बिगाड़ने वाले व्यवहार को नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।



प्रश्न.2.प्रेम संबंधों को मजबूत बनाने वाले व्यवहार को नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।

